प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

1 A

रेग्यूलेटिंग एक्ट ब्रिटिश सरकार द्वारा ईस्ट इंडिया कम्पनी के कामकाज मे प्रथम अप्रत्यक्ष दखल था। जिसके प्रावधान निम्न हैं

(i) मद्रास एवं बम्बई के गवर्नर को बंगाल के गवर्नर के अन्तर्गत लाया गया।

(ii) गवर्नर की कार्यकारी परिषद मे 4 सदस्यो की नियुक्ति की गयी।

2 B

बी० एन० राव भारतीय संविधान सभा के संवैधानिक सलाहकार थे। सर्वप्रथम इन्ही के द्वारा तैयार संविधान के प्रारूप को भीमराव अम्बेडकर ने अन्तिम रूप दिया।

1 C

पं० जवाहर लाल नेहरू ने संविधान की प्रस्तावना मे निहित सिद्धान्तो के आधार पर इसे संविधान का परिचय पत्र होने की संज्ञा दी।

1 D

~~42 वें संविधान संशोधन~~ केशवानन्द भारती बनाम भारत संघ मामला सन् 1973 मे 13 जजो की बेंच मे "संविधान संशोधन" की शक्ति को चुनौती दी गयी। जिसमे "मूल ढाचे" के सिद्धान्त का प्रतिपादन उच्चतम न्यायालय ने किया। अर्थात संसद की संविधान संशोधन की शक्ति को मूल ढाँचे के अन्तर्गत सीमित कर दिया गया।

1 F

संविधान की आठवी अनुसूची मे भारतीय संघ की मूलतः 14 भाषाएँ (वर्तमान मे 22) का उल्लेख किया गया है जो इस प्रकार है। हिन्दी, मराठी, गुजराती, तमिल, मैथिली, सन्थाली, बोडो, डोगरी, ओडिया, नेपाली, कन्नड, मलयालम आदि।

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

1 L

न्यायिक समीक्षा भारतीय संविधान मे अमेरिकी संविधान से ली गयी अवधारणा है, जिसके अन्तर्गत न्यायपालिका विधायिका द्वारा निर्मित विधि की समीक्षा कर सकता है, विधि के संवैधानिक ना होने पर विधि को शून्य घोषित कर सकता है।

1 M

राष्ट्रपति के अभिभाषण के उपरान्त संसद सदस्यो द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव सदन मे लाया जाता है।

1 N

मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम वर्ष 1986 मे पारित किया गया था। जिसमे मानव को प्रदत्त प्राकृतिक अधिकारो का वर्णन है।

1 O

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी (उत्तराखण्ड) मे स्थित है, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित अभ्यर्थियो को प्रशिक्षण इस संस्थान मे दिया जाता है।

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

2 A

सरकारी विधेयक	गैर-सरकारी विधेयक
1- सरकारी विधेयक केवल कार्यपालिका द्वारा प्रस्तुत किया जाता है।	गैर सरकारी विधेयक किसी भी संसद सदस्य द्वारा प्रस्तुत किया जा सकता है।
2- सरकारी विधेयक के संसद मे पास ना होने पर सरकार को त्यागपत्र देना होता है।	इस विधेयक मे इस प्रकार के प्रावधान नही है
3- सरकारी विधेयक सम्पूर्ण कार्यपालिका की नीति पर आधारित रहता है।	यह विधेयक व्यक्तिगत सदस्य के विचार पर आधारित होता है
4- सरकारी विधेयक धन, साधारण, संविधान संशोधन हो सकता है।	गैर सरकारी विधेयक केवल साधारण विधेयक होता है।

2 C

वित्तीय आपातकाल :- संविधान के भाग 20 मे अनुच्छेद 360 के अन्तर्गत वित्तीय आपातकाल का प्रावधान है, राष्ट्र मे वित्तीय संकट आने की स्थिति मे केन्द्र सरकार राज्य मे वित्तीय आपातकाल की घोषणा कर सकती है। ऐसी घोषणा के अन्तर्गत —

1- समस्त संसद सदस्यो, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, महान्यायवादी के वेतन, भत्तो आदि मे कटौती की जा सकती है।

2- केन्द्र, राज्य के कर्मचारियो के वेतन मे कटौती की जा सकती है।

3- विभिन्न मंत्रालयो की अनुदान माँगो को निलम्बित किया जा सकता है।

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

2 H

भारतीय संविधान के संघीय तत्व:- अनुच्छेद 1 के अनुसार भारत "राज्यो का संघ" होगा। किन्तु भारतीय संविधान मे व्यवहारिक तौर पर परिसंघीय व्यवस्था अपनायी गयी है, जिसमे एक शक्तिशाली केन्द्र तथा उसका राज्यो के साथ समन्वय व्याप्त होता है,

(i) **केन्द्र राज्य के मध्य शक्तियो का विभाजन :-** अनुसूची 7 मे तीन प्रकार की सूची का वर्णन मिलता है जिसमे केन्द्र व राज्यो के मध्य विभाजन व समन्वयकारी विषयो का उल्लेख है,

(a) संघ सूची (b) राज्य सूची (c) समवर्ती सूची

(ii) **केन्द्रीय व राज्य सरकार :-** केन्द्र व राज्य के स्तर पर विधान बनाने के लिए अलग-अलग सरकारो का गठन जो सम्बन्धित विषयो पर कानून निर्माण का कार्य करती है

(iii) **द्विसदनीय संसद :-** अनुच्छेद 79, 80 मे क्रमशः राज्यसभा व लोकसभा का विवरण है, राज्य सभा मे भारतीय राज्यो का अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व जबकि लोकसभा मे जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि सम्मिलित होते है,

उपरोक्त तत्व भारतीय संविधान के संघात्मक राज्य को प्रदर्शित करते है

2 J

राज्यपाल की स्वविवेकी शक्तियाँ :- राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा होती है, राज्य सरकार द्वारा पारित कोई भी विधेयक राज्यपाल की अनुमति के बाद ही अधिनियम या कानून का रूप लेता है यद्यपि राज्यपाल राज्य मन्त्रिपरिषद की सलाह पर ही अधिकांश कार्यो के लिए बाध्य है, तथापि उसकी कुछ स्वविवेकी शक्तियाँ भी है जो निम्न है

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

विधायी शक्तियाँ :- धन विधेयक को छोड़कर राज्यपाल अन्य विधेयकों को पुनर्विचार हेतु लौटा सकता है, किन्तु दोबारा मन्त्रिपरिषद के द्वारा भेजे गए कानून पर राज्यपाल अनुमति देने के लिए बाध्य है।

न्यायिक शक्तियाँ :- राज्यपाल किसी अपराधी के दण्ड को क्षमा, लघुकरण आदि की शक्तियाँ भी स्वविवेकाधिकार के अन्तर्गत आती है।

2 (a)

लोकतन्त्र मे इलैक्ट्रानिक मीडिया :- सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के विकास ने हर क्षेत्र मे क्रान्ति ला दी है। इलैक्ट्रानिक मीडिया भी इसी तकनीक के माध्यम से सूचना का आदान प्रदान करता है।

सकारात्मक भूमिका :-

1- इलैक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से लोकतन्त्र मे पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता का प्रसार होगा।

2- सामान्य व्यक्ति की पहुँच भी शासन स्तर तक सुनिश्चित की जा सकती है।

3- सरकार को जन-अपेक्षाओं के सम्बन्ध मे सूचना की प्राप्ति आसान हो जायेगी।

4- सरकारी नीतियों मे भ्रष्टाचार मे कमी

नकारात्मक भूमिका :-

1- चुनावों के दौरान अमर्यादित भाषणों से साम्प्रदायिकता को बढावा मिलता है।

2- सदन की कार्यवाही मे अधिकांश झगड़ों से जनता को अपने जनप्रतिनिधियों का सच्चा रूप समझ आता है जिससे उनका विश्वास कमजोर होता है।

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या: 2 E

BRICS :- भारत, रूस, ब्राजील, चीन, दक्षिण अफ्रीका के संगठन को BRICS के नाम से जाना जाता है। विश्व की अधिकांश आबादी इन विकासशील देशो के अन्तर्गत आती है। BRICS देशो की हर वर्ष विभिन्न आयामो पर बैठक आयोजित होती है। किन्तु फिर भी यह संगठन एक सफल संगठन का रूप नही ले सकता जिसके कुछ कारण निम्न है —

(i) संगठन के चार देश विकासशील है अतः पूँजी की पर्याप्त आवश्यकताओ की पूर्ति मे योगदान नही दे पाते।

(ii) संगठन के सदस्यो के राष्ट्रीय हित आपस मे टकराते है जैसे भारत-चीन पडोसी होने के कारण राष्ट्र की सीमा विवाद आदि के कारण मतभेद

(iii) संगठन के सदस्यो मे असमानताएँ अधिक जैसे- चीन व रूस मे कौशल श्रम अधिक जबकि भारत दक्षिण अफ्रीका की स्थिति ठीक नही है

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

3 C

राजकोषीय नीति मे वित्त मन्त्रालय की भूमिका :- राज्य द्वारा राजस्व प्राप्ति एवं व्यय के मध्य प्रबन्धन नीति को राजकोषीय नीति कहते है। वित्त प्रबन्धन की मुख्य भूमिका कार्यपालिका मे वित्त मन्त्रालय द्वारा पूर्ण की जाती है। सरकार द्वारा वार्षिक वित्तीय विवरण के माध्यम से एक वित्तीय वर्ष की समस्त अनुमानित आगतो एवं व्ययो का ब्यौरा एवं पूर्व वर्ष की आय एवं व्यय का ब्यौरा सदन के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है। उक्त के सम्बन्ध मे सरकार द्वारा राजकोषीय नीति एवं बजट प्रबन्धन अधिनियम लाया गया जिसके अन्तर्गत राजस्व घाटा (व्यय - आय) को ± 2 के स्तर तक नियन्त्रित करना है। राजस्व घाटा अधिक होने से अर्थव्यवस्था की विश्वसनीयता को खतरा रहता है। एवं राजस्व घाटा कम होने से आर्थिक उद्देश्यो की पूर्ति मे बाधा पहुँचती है। अतः राजकोषीय घाटा को एक निश्चित सीमा के अन्दर सीमित करना सरकार का उद्देश्य है। सरकार अपने दीर्घकालीन निवेश की योजना बनाकर राजकोषीय नीति को प्रभावित करती है। 1991 के आर्थिक सुधारो के पश्चात हमारी अर्थव्यवस्था वैश्विक अर्थव्यवस्था से अधिक संलग्न हो गयी है। जिस कारण अर्थव्यवस्था मे सन्तुलन बनाए रखना एक चुनौती है इस प्रकार सरकार राजकोषीय नीति के माध्यम से अर्थव्यवस्था मे एक सन्तुलन बनाए रखने का हमेशा प्रयास करती है। वित्त मंत्रालय की इसमे स्पष्ट भूमिका है।